भारत सरकार

शिक्षा मंत्रालय

स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या-948

उत्तर देने की तारीख-02/12/2024

नव भारत साक्षरता कार्यक्रम

†948. डॉ. सी.एम. रमेश:

क्या **शिक्षा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने 95 प्रतिशत साक्षरता दर प्राप्त करने के लक्ष्य के साथ नव भारत साक्षरता कार्यक्रम (एनआईएलपी) को कार्यान्वित किया है;
(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और सरकार द्वारा अब तक क्या कार्यनीति अपनाई गई है तथा क्या उपलब्धियां प्राप्त की गई हैं;
(ग) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;
(घ) क्या सरकार ने वर्ष 2027 तक इन लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए कोई धनराशि आवंटित की है; और
(ड.) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

शिक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री जयन्त चौधरी)

(क) से (ड़): न्यू इंडिया लिटरेसी प्रोग्राम (एनआईएलपी) जिसे लोकप्रिय रूप से उल्लास - नव भारत साक्षरता कार्यक्रम के रूप में जाना जाता है, वित्त वर्ष 2022-23 से 2026-27 तक कार्यान्वित किया जा रहा है। यह योजना राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के अनुरूप है और इसका लक्ष्य 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के 5.00 करोड़ असाक्षरों को शामिल करना है, जो औपचारिक स्कूली शिक्षा से चूक गए हैं और उन्हें शिक्षा के अवसर प्रदान कर, उन्हें साक्षर बनाना है। यह योजना हाइब्रिड मोड में कार्यान्वित है, जिससे राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को महत्वपूर्ण जीवन कौशल, डिजिटल और वित्तीय साक्षरता सहित बुनियादी साक्षरता और संख्याज्ञान प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित करते हुए ऑफ़लाइन या ऑनलाइन मोड अपनाने की सुविधा मिलती है। उल्लास भारत को 'जन जन साक्षर' बनाने के उद्देश्य से काम करता है, जो कर्तव्यबोध (कर्तव्य की भावना) से प्रेरित है, पूर्ण साक्षरता प्राप्त करने के लिए स्वयंसेवा के माध्यम से स्कूल प्लेटफॉर्म और सामुदायिक जुड़ाव का उपयोग करता है।

अधिगम सामाजिक चेतना केंद्रों में हो सकता है जो सरकारी सहायता प्राप्त और गैर सहायता प्राप्त स्कूलों, पंचायत भवनों, सामुदायिक हॉलों, उच्चतर शिक्षा संस्थानों आदि जैसे स्थानों पर हो सकते हैं। शैक्षणिक और संसाधन सहायता प्रदान करने के लिए एनसीईआरटी में एक समर्पित राष्ट्रीय साक्षरता केंद्र (एनसीएल) की स्थापना की गई है। यूजीसी, एआईसीटीई और एनसीटीई जैसे संस्थान उल्लास के स्वयंसेवकों को क्रेडिट देकर व्यापक तरीके से उल्लास योजना का सहयोग कर रहे हैं।

शिक्षार्थियों और स्वयंसेवी शिक्षकों के पंजीकरण के लिए एक समर्पित उल्लास मोबाइल ऐप बनाया गया है जो सभी आधिकारिक भाषाओं में उल्लास प्राइमर तक पहुँच प्रदान करके शिक्षण अधिगम प्रक्रिया को भी सक्षम बनाता है। अब तक, 1.6 करोड़ से अधिक शिक्षार्थी और 38 लाख से अधिक स्वयंसेवी शिक्षक ऐप पर पंजीकरण करा चुके हैं।

आधारभूत साक्षरता और संख्याज्ञान मूल्यांकन परीक्षा (एफ़एलएनएटी) उल्लास योजना के तहत एक मूल्यांकन है जिसे गैर-साक्षर व्यक्तियों में आधारभूत पठन, लेखन और संख्याज्ञान कौशल का आकलन करने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जिसे सफलतापूर्वक पूर्ण करने पर उन्हें "नव-साक्षर" के रूप में प्रमाणित करता है। एफ़एलएनएटी में अब तक 1 करोड़ से अधिक शिक्षार्थी शामिल हो चुके हैं। लद्दाख संघ राज्य क्षेत्र ने खुद को उल्लास - नव भारत साक्षरता कार्यक्रम के तहत पूर्ण कार्यात्मक साक्षरता हासिल करने वाली भारत की पहली प्रशासनिक इकाई घोषित किया है।

यह योजना एक केंद्र प्रायोजित योजना (सीएसएस) के रूप में कार्यान्वित की गई है, जिसके लिए पांच वर्षों (वित्त वर्ष 2022-23 से वित्त वर्ष 2026-27) के लिए कुल वित्तीय परिव्यय 1037.90 करोड़ रुपये है, जिसमें केंद्रीय हिस्से के रूप में 700 करोड़ रुपये और राज्य के हिस्से के रूप में 337.90 करोड़ रुपये शामिल हैं।

*****